हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 284 देहरादून, शुक्रवार, 05 मई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

हेमकुंड साहिब ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने राज्यपाल किया आमंत्रित 3

हॉर्टिकल्चर विभाग ईको टास्क फोर्स को देगा 6 पॉलीहाउस : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 मई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड बागवानी विभाग के माध्यम से इको टास्क फोर्स को उपलब्ध कराए गये बोलेरो वाहनों एवं मोटरसा-इकिलो का फ्लैग ऑफ किया। इस दौरान 2 बोलेरो पिकअप और 10 मोटरसाइकिलें ईको टास्क फोर्स को सौंपी गई।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर घोषणा की कि भविष्य में हॉर्टिकल्चर विभाग ईको टास्क फोर्स को 6 पॉलीहाउस बनाकर देगा, जिसमें चार पॉलीहाउस परियोजना क्षेत्रों तथा दो पॉलीहाउस बटालियन मुख्यालय में स्थापित किये जायेंगे। लोक निर्माण विभाग से दोनों परियोजना क्षेत्रों में मानसून आने से पूर्व बरसात के पानी के संरक्षण हेतु 120 दिनों के लिए दो जे.सी.बी. प्रदान की जायेंगी। ईको टास्क फोर्स के सहिया, कस्याली तथा बटालियन मुख्यालय में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जल भण्डारण हेतु 50 हजार लीटर की क्षमता की टंकियों का निर्माण कराया जायेगा। ईको टास्क फोर्स की 10 नर्सरियों में सिंचाई प्रणाली की स्थापना की जाएगी। उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूआरडीए) द्वारा देहरादून, सहिया तथा कस्याली परियोजना

स्थलों में 100 किलोवाट के सौर पैनल का प्रावधान किया जाएगा। सभी सरकारी विभागों में प्राप्त होने वाले ईको टास्क फोर्स के प्रस्तावों को पूरी प्राथमिकता दी जायेगी।मु-ख्यमंत्री धामी ने कहा कि जिस उद्देश्य के लिए इको टास्क फोर्स की स्थापना की गई थी, उस उद्देश्य की पूर्ति के लिए यह टीम निरंतर प्रयासरत है। 127 ईको टास्क फोर्स प्रदेश की प्रथम पर्यावरण यूनिट है, जिसकी स्थापना 01 दिसम्बर 1982 में गढवाल रायफल्स रेजिमेण्ट सेन्टर लैन्सडाउन में हुयी थी। उन्होंने कहा कि 127 इको टास्क फोर्स नें स्थापना के बाद से गढ़वाल क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में लगातार अच्छा कार्य हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 40 वर्षो में 127 ईको टास्क फोर्स ने उत्तराखण्ड राज्य के 1200 से अधिक भूतपूर्व सैनिकों को यूनिट में भर्ती करके टिहरी, चमोली, देहरादून, तथा सीमान्त क्षेत्रों माणा तथा मलारी में लगभग 20,698 हैक्टेयर भूमि पर करीब 1 करोड 98 लाख पौधों का रोपण किया, यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वन विभाग को 127 और 130 ईको टास्क फोर्स की चार वित्त पोषित कम्पनियों के लिये पाँच साल एफ. ई. के विस्तार की सहमति देने के लिये आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गये हैं।

सेवा के अधिकार में अधिक से अधिक सेवाएं जोड़ी जाएं : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 मई , जन सेवाओं से जुड़े मामलों में ऑनलाईन प्रक्रियाओं को आसान बनाने पर ध्यान दिया जाए। लोगों को एक ही प्लेटफॉर्म पर पर सभी सुविधाएं आसानी से मिले, इसके लिए जन सुविधा से जुड़े सभी विभागों को एक अम्ब्रेला में लाया जाए। सेवा के अधिकार में अधिक से अधिक सेवाएं जोड़ी जाएं। तकनीक का विकास जिस तेजी से हो रहा है, सेवाओं का लाभ आम जनमानस को तेजी से मिले, इसके लिए उनको जागरूक भी किया जाए। ऑनलाईन प्रक्रियाओं के तहत जो भी सेवाएं दी जा रही हैं, इन सेवाओं का व्यापक स्तर पर आम जन तक प्रसार भी किया जाए। राज्य में युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के पर्याप्त अवसर मिले, रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में सभी विभागों को तेजी से कार्य करने होंगे।

स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए उच्च शिक्षा एवं तकनीकि शिक्षा विभाग को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उच्च शिक्षा के साथ-साथ युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। हमें युवाओं को रोजगार परक शिक्षा की दिशा में आगे ले जाने के लिए तेजी से कार्य करना है। मुख्यमंत्री ने ये निर्देश सचिवालय में सशक्त उत्तराखण्ड @ 25 के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आईटीडीए एवं उद्योग विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिये।

आईटीडीए की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सेवा के अधिकार में और जन सेवाओं को जोड़ा जाए। लोगों को घर बैठे ही अधिकांश सेवाओं का लाभ आसानी से एक ही प्लेटफार्म से मिल जाए, इस दिशा में कार्य किया जाए। राज्य के जिन क्षेत्रों में मोबाईल कनेक्टिविटी की अभी भी समस्या है, उनका जल्द समाधान हो, इस दिशा में तेजी से कार्य किये जाएं। विभिन्न सरकारी योजनाओं का आम जन को पूरा लाभ मिले, इसके लिए ऐसा सिस्टम विकसित किया जाए कि लोगों को उनकी पात्रता के अनुसार एक क्लिक पर सारी जानकारी उपलब्ध हो सके। विभागों द्वारा भविष्य की आवश्यकताओं को देखकर दीर्घकालिक योजनाएं बनाई जाएं।

उद्योग विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि भारत सरकार द्वारा सहायतित योजनाओं में तेजी से कार्य किये जाएं। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के अनेक संभावनाएं हैं, युवाओं को कौशल विकास के साथ ही अधिक से अधिक रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने पर ध्यान दिया जाए। राज्य में अधिक से अधिक औद्योगिक गतिविधियां हों, बाहर से निवेशक आयें, इस दिशा में तेजी से प्रयास करना हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न विभागों के जो बड़े प्रोजक्ट तेजी से आगे नहीं बढ़ रहे हैं, उनकी जल्द समीक्षा की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी भूमि का सही तरीके से उपयोग हो, इसके लिए जो भी कार्य किये जाएं, वे मास्टर प्लान के तहत ही हों। उन्होंने कहा कि मसूरी एवं नैनीताल में पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। हमें ऐसी व्यवस्था पर भी ध्यान देना होगा कि पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों को अधिक जाम की स्थिति से न गुजरना पड़े।

बैठक में जानकारी दी गई कि अपणि सरकार पोर्टल के माध्यम से 485 सेवाएं लोगों तक पहुचाई जा रही है। जिसमें से 265 सेवाएं सेवा के अधिकार में ली गई है। सेवा के अधिकार में और सेवाओं को जोड़ने के लिए कार्य किया जा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आय के संसाधन बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता एवं कौशल विकास की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं। उद्योग विभाग द्वारा स्वरोजगार की योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। स्वरोजगार की ओर लोगों का रूझान तेजी से बढ़ रहा है। एमसएमई के तहत भी अनेक कार्य किये जा रहे हैं।

बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, प्रो. दुर्गेश पंत महानिदेशक यूकॉस्ट, अपर सचिव विजय कुमार जोगदाण्डे, महा-निदेशक उद्योग रोहित मीणा, निदेशक आई.टी.डी.ए नितिका खण्डेलवाल, अपर सचिव नवनीत पाण्डे, मनोज पंत एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

स्क्रीन टाइम कम करने के होते हैं कई लाभ, आजमाएं ये टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 5 मई : वर्क फ्रॉम होम करने वाले ज्यादातर लोग महसूस कर रहे हैं कि उनका पूरा दिन स्क्रीन के सामने गुजर जाता है। पहले वे दिन भर कंप्यूटर पर काम करते हैं और फिर जब जूम पर मीटिंग या मनोरंजन के लिए टीवी देखते हैं। हमेशा वे स्क्रीन के सामने ही होते हैं। क्योंकि स्क्रीन टाइम ज्यादा होने से आंखों में समस्या और सिर दर्द की दिक्कत हो सकती है। वहीं, डिप्रेशन और एंजाइटी की भी आशंका होती है। अमेरिका की जानी-मानी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डोरेन डॉट गेन-मैगी ने ये टिप्स के बारे में बताया है, जिससे स्क्रीन टाइम को नियंत्रित किया जा सकता है।

1. अगर आप महामारी में घर से काम कर रहे हैं तो आप स्क्रीन से पूरी तरह दूर नहीं हो सकते हैं, क्योंकि काम के साथ ही मीटिंग और सहकर्मी से बात के लिए भी इसकी मदद चाहिए। लेकिन आप स्क्रीन टाइम कम करने की कोशिश जरूर करें, जैसे ब्रेक के वक्त स्क्रीन से दूर रहें।

2. अगर आप अपनी आदत बदलना चाहते हैं तो पहले आप एक हफ्ते तक देखें कि आप अपना वक्त कहां लगाते हैं। इससे पता चलेगा कि आपका कंप्यूटर एवं मोबाइल स्क्रीन के सामने कितना वक्त गुजरता है। इसके लिए आप Rescue-Time, Clockify और Timely जैसे ऐप की भी मदद ले सकते हैं। इसके अलावा टीवी के टाइम को नोट करें। इसके बाद उन चीजों को देखें, जो आप आसानी से कम कर सकते हैं, जैसे ऑनलाइन शॉपिंग, ट्विटर पर ज्यादा वक्त गुजारना।

3. स्क्रीन पर गुजरने वाला सभी वक्त एक जैसा नहीं होता है। इसलिए देखें कि आपकी

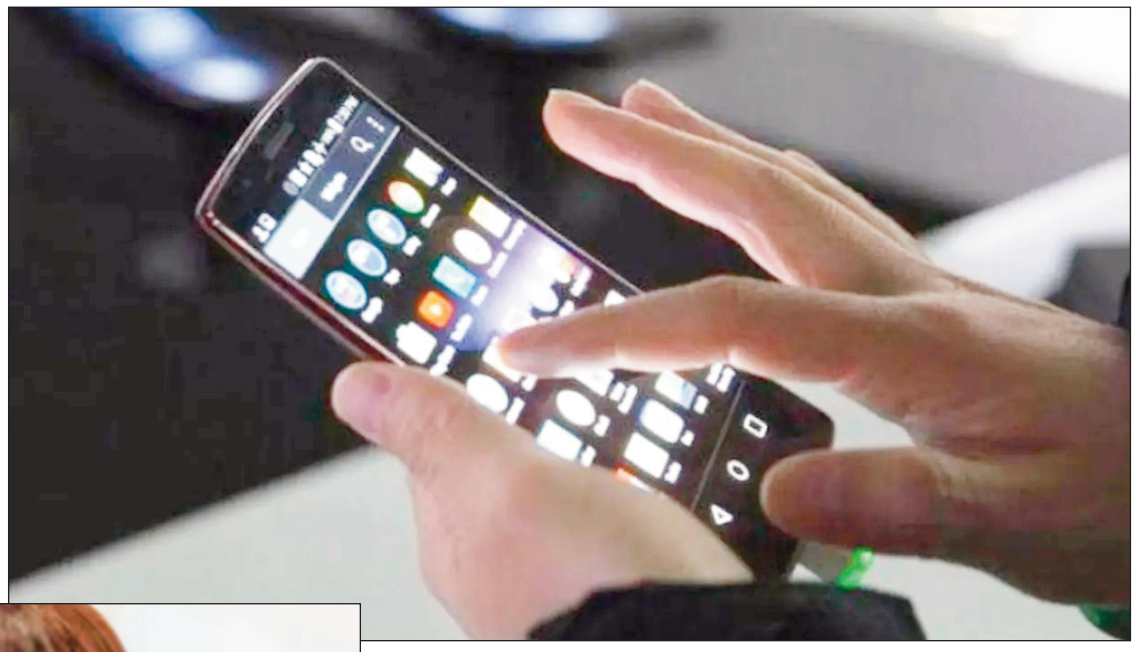

जॉब और निजी जिंदगी के हिसाब से कौन से काम जरूरी हैं। आपके लिए घर पर वीडियो कॉल करना जरूरी हो सकता है, लेकिन आप इंस्टाग्राम की तस्वीरें देखने की आदत छोड़ सकते हैं।

4. आप अपने सहकर्मियों से फोन कॉल पर बात कर सकते हैं। वहीं अगर आपको कोई ट्रेनिंग देनी है तो आप उसका वीडियो बना सकते हैं, न कि आप बार-बार लोगों को जूम पर वही बातें बताएं। सोचने या रणनीति बनाने का कोई काम हो तो आप कंप्यूटर स्क्रीन से दूर हो सकते हैं।

5. हम सब कई नोटिफिकेशन की सेटिंग ऑन रखते हैं और फोन वाइब्रेट होने पर बार-बार चौंकते हैं। इसलिए काम के वक्त या इसके बाद कभी भी नोटिफिकेशन ऑन नहीं होनी चाहिए। इससे बार-बार आपका ध्यान भंग होता है और काम में ज्यादा समय लग जाता है। इसलिए अपने बॉस और अति-आवश्यक लोगों को छोड़कर सभी का नोटि-फिकेशन ऑफ रखें।

6. काम करते समय भी हर 40 मिनट पर एक स्क्रीन फ्री ब्रेक जरूर लें। ब्रेक में फेसबुक और गूगल न्यूज पढ़ने की जगह थोड़ा पैदल टहलने की कोशिश करें। जब भी खाना या नाश्ता कर रहे हों, तब स्क्रीन से पूरी तरह दूर रहें।

7. घर से बाहर टहलने के लिए जाएं।

8. अपने घर में डिवाइस फ्री एरिया बनाएं। खासकर सोने के कमरे में कोई गैजेट नहीं होना चाहिए।

9. एक बार में एक ही स्क्रीन देखें। काम करते समय टीवी या मोबाइल न देखें।

10. ऐसे खेल खेलें, जो तकनीक से दूर हों।

11. सोशल मीडिया का कम से कम इस्तेमाल करना सीखें।

क्रोनिक पेन से उबरने के लिए आजमाएं ये उपाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 5 मई : क्रोनिक पेन मतलब शरीर के किसी भी अंग में उठने वाला ऐसा दर्द, जो कभी एकदम से बहुत ज्यादा हो जाता है तो कभी हल्का-हल्का होता ही रहता है। ऐसा दर्द किसी चोट, सर्जरी, सूजन या फिर किसी एक्सीडेंट की वजह से पैदा हो सकता है। जो समय और उम्र बढ़ने पर बढ़ता और घटता रहता है। इस दर्द के बढ़ने की मुख्य वजह है, इसे इग्नोर करते रहना।

पुराने दर्द का अगर समय रहते इलाज न करवाया जाए, तो ये उम्र के साथ और गंभीर होने लगता है। साथ ही ये नॉर्मल दर्द की तुलना में लंबे वक्त तक बना रहता है।

क्रोनिक पेन एक प्रकार का पुराना दर्द होता है, जो मसल्स में उठता है और फिर कंधों, पीठ, कमर और शरीर के दूसरे भागों में भी पहुंचता है। क्रॉनिक पेन से नींद न आने की प्रॉब्लम और थकान भी बनी रहती है।

1. खानपान का रखें ख्यालक्रोनिक पेन से निपटने के लिए खानपान पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है। मील में नॉन स्टार्च सब्जियों के साथ-साथ कैल्शियम और विटामिन डी से भरपूर फूड आइटम्स की मात्रा बढ़ाएं।

2. योग भी होता है असरदारडॉक्टर से सलाह लेने के बाद नियमित रूप से योग और एक्सरसाइज करने से भी ऐसे दर्द में आराम मिलता है। इससे बॉडी स्ट्रांग होती है। कंधे, कमर के अलावा मांसपेशियों में होने वाले दर्द से निपटने में भी योगासन हो सकता है मददगार।

3. मसाज करें ट्राईसरसों, ऑलिव और

नारियल तेल से मालिश करना भी काफी हद तक क्रोनिक पेन से राहत दिला सकता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और मसल्स को मज़बूती मिलती है।

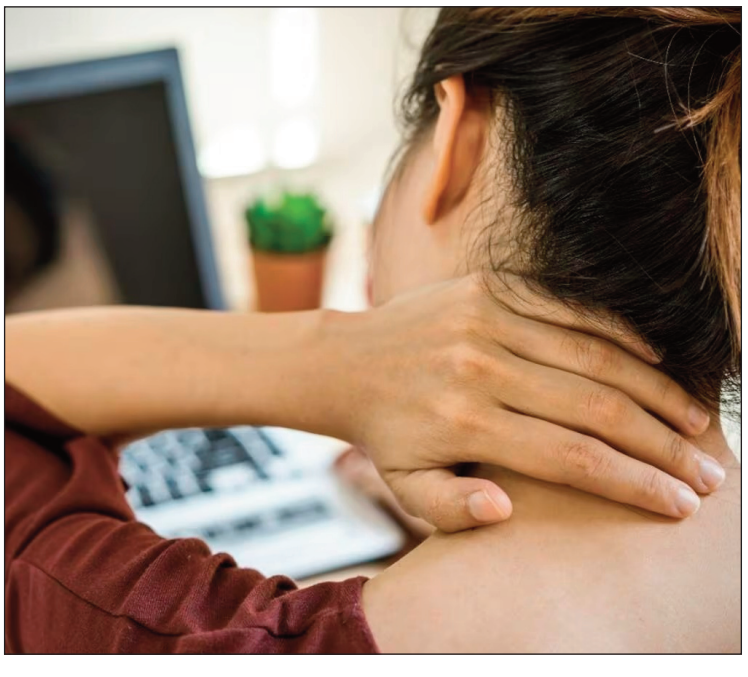

सेहत की बात : बेमौसम बारिश से हो रही हैं फंगस इंफेक्शन की समस्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 मई , मई में हो रही बारिश लोगों को राहत तो दे रही है, लेकिन इससे कई बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। पिछले कुछ दिनों से लगातार फंगल इंफेक्शन के मामले सामने आ रहे हैं। यह संक्रमण अंडरआर्म्स और प्राइवेट पार्ट्स के आसपास फैलता है। अगर समय पर इलाज नहीं किया गया तो पूरे शरीर में इसके संक्रमण का खतरा रहता है।

कैसे पहचाने

अगर आपको पिछले तीन-चार दिनों से त्वचा पर लाल धब्बे या कोई इंफेक्शन दिख रहा है तो यह फंगस इंफेक्शन के लक्षण है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर के पास जाएं। यह फंगल इंफेक्शन की शुरुआत हो सकती है। समय पर उपचार लक्षणों को बढ़ने से रोक सकता है।

क्यों होता है फंगस इंफेक्शन

आजकल फंगल इंफेक्शन आम बात हो गई है। बारिश के दौरान यीस्ट और फंगल इंफेक्शन हो जाता है। नमी और साफ-सफाई पर ध्यान न देने के कारण ऐसा होता है। यह कोई बहुत गंभीर संक्रमण नहीं है, लेकिन लंबे समय तक इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है।

फंगल इन्फेक्शन क्या है

साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखने से फंगल इंफेक्शन होने का खतरा होता है। बरसात के मौसम में नमी और बारिश के पानी के कारण यह संक्रमण बढ़ता है।

क्या करें

ऐसी स्थिति में खुद से एंटीबायोटिक दवा

लेने से बचें। स्वच्छता का भी ध्यान रखें। गीले कपड़े बिल्कुल न पहनें और अगर खुजली की समस्या हो तो इसे हल्के में न लें। यह संक्रमण की शुरुआत हो सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

इस मौसम में टाइट कपड़े पहनने से बचें। क्योंकि इन कपड़ों के अंदर ज्यादा पसीना आ सकता है जिससे फंगल इंफेक्शन हो सकता है। हाइट का ध्यान रखें और खाने में ताजे फलों को शामिल करें। अपने अंडरगारमेंट्स को रोजाना बदलें और उन्हें अच्छी तरह से धोएं

242 करोड़ के भारी भरकम बजट से महाराज का बढ़ा वजन

मंत्री महाराज ने केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का जताया आभार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 मई, त्रिस्तरीय पंचायतों के सशक्तिकरण, प्रतिनिधियों एवं 29 विषयों से सम्बद्ध रेखीय विभागों के अधिकारियों, कार्मिकों, स्वयं सहायता समूहों की कार्य क्षमता एवं दक्षता में अभिवृद्धि के लिए प्रदेश की वार्षिक कार्य योजना 2023-24 हेतु पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्तराखंड को 242.00 करोड़ की भारी भरकम धनराशि स्वीकृत करने पर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज ने केन्द्रीय पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह आभार व्यक्त किया है।प्रदेश के पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान वित्तीय वर्ष 2023-24 की वार्षिक कार्य योजना पर विचार करने हेतु तृतीय केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति की हुई बैठक में उत्तराखंड राज्य के साथ-साथ अण्डमान-निकोबार, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, त्रिपुरा, सिक्किम व उत्तर प्रदेश की वार्षिक कार्य योजनाओं पर विचार किया गया। बैठक में राज्य द्वारा रू 267.42 करोड़ धनराशि की अनुमोदित कार्य योजना के सापेक्ष पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लगभग रू. 242.00 करोड़ की कार्य योजना स्वीकृत की गई है।

पंचायत मंत्री महाराज ने कहा कि 242.00 करोड़ की स्वीकृत कार्य योजना के अन्तर्गत ₹क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण घटक में सबसे अधिक धनराशि रू. 139.98 करोड़ स्वीकृत की गई है, जिसका उद्देश्य त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों एवं 29 विषयों से सम्बद्ध रेखीय विभागों के अधिकारियों, कार्मिकों, स्वयं सहायता समूहों की कार्य क्षमता एवं दक्षता में अभिवृद्धि करना है। मुख्यतः पंचायत विकास योजना, सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीय-करण के थीमैटिक आधारित विषयों तथा ई-गवर्नेंस अधिनियम, नियमावलियों से संबद्ध विषयों पर प्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कार्मिकों का क्षमता विकास किया जाना है, ताकि वे अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का पूर्ण क्षमता के साथ निर्वहन कर सकें। महाराज ने बताया कि प्रशिक्षण गतिविधियों के अतिरिक्त ₹एक्सपोजर विजिट में रु. 27.63 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिसके तहत लगभग 12500 पंचायत प्रतिनिधि गणों को राज्य के भीतर एवं अन्य

राज्यों में पंचायतीराज संस्थाओं के क्रियाकलापों एवं गतिविधियों का अध्ययन करवाया जायेगा, जिससे संबंधित राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिसेज का राज्य की विशिष्ट परिस्थिति के अनुरूप अनुकरण किया जा सकेगा।

उन्होने कहा कि केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में समिति ने पंचायती राज मंत्रालय द्वारा राज्य की विशिष्ट भौगोलिक परिस्थिति के आधार पर 100 नये पंचायत भवन, 100 पंचायत भवनों में सीएससी कक्ष निर्माण तथा 500 ग्राम पंचायतों में कम्प्यूटर हेतु कुल रू. 27.00 करोड़ की सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही पंचायत भवन एवं सी एस सी कक्ष निर्माण हेतु गत वर्ष की देनदारी के रूप में रू. 24.00 करोड़ की धनराशि भी स्वीकृत की गई है। इस धनराशि से ग्राम पंचायतों के बुनियादी ढांचे का सुदृढीकरण किया जा सकेगा।पंचायती राज मंत्री ने बताया कि योजनान्तर्गत नवाचार गतिविधियों में गत वर्ष हेतु स्वीकृत 95 कॉम्पैक्टर्स क्रय हेतु Carry Over गतिविधि के रूप क्यारकुली भट्टा ग्राम पंचायत में मल्टीलेवल पार्किंग एवं कैफेटेरिया निर्माण हेतु रू. 4.00 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। राज्य की वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2023-24 को स्वीकृति प्रदान करने पर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज ने इसके लिए केन्द्रीय पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री, गिरिराज सिंह का विशेष रुप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अन्तर्गत गत वर्ष में स्वीकृत कार्य योजना रू. 120.857 करोड़ की तुलना में इस वर्ष दोगुने से अधिक लगभग रु. 242.00 करोड़ की कार्य योजना स्वीकृत किया जाना प्रदेश के लिए प्रसन्नता की बात है।केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में उत्तराखंड राज्य से सचिव, पंचायती राज नितेश कुमार झा ऑनलाइन माध्यम से तथा निदेशक, पंचायती राज आनन्द स्वरूप द्वारा प्रत्यक्ष रुप से भाग लिया।

हेमकुंड साहिब ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने राज्यपाल किया आमंत्रित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 मई , राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने मुलाकात की। अध्यक्ष बिंद्रा ने राज्यपाल को हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने राज्यपाल को 17 मई को ऋषिकेश से पांच प्यारों की अगुवाई में प्रथम जत्थे को रवानगी के लिए भी आमंत्रित किया, जिससे हेमकुंड साहिब यात्रा 2023 का आगाज होगा। राज्यपाल ने बिंद्रा से हेमकुंड साहिब यात्रा की तैयारियों और यात्रा मार्गों में चल रहे निर्माण कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने कहा कि हमारा प्रयास रहे कि श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम और सुरक्षित हो। यात्रा मार्गों पर मूलभूत सुविधाओं की कमी न होने पायें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा यात्रा के बेहतर प्रबंध किए गए हैं। इस दौरान नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा द्वारा जानकारी दी गई कि सरकार द्वारा मुख्य रूप से निर्माण कार्यों में हेमकुंड साहिब में हेलीपैड का निर्माण किया गया है। गोविंद घाट से हेमकुंड साहिब 06 किलोमीटर के मार्ग पर रेलिंग निर्माण, गोविंद घाट से 05 किलोमीटर तक का पुलना सड़क मार्ग और वहां पर टैक्सी चालकों के लिए पार्किंग बना दी गयी है। इसके अलावा यात्रा मार्गों में सुलभ शौचालयों का निर्माण और कई स्थानों पर सड़कों के चौड़ीकरण और सुधा-रीकरण का कार्य भी किया गया है। वहीं श्रद्धालुओं के लिए मेडिकल सुविधाएं भी उपलब्ध करायी गयी हैं। अध्यक्ष ने बताया कि यात्रा मार्ग में 10 रेन शेल्टर शैड बैंच सहित यात्रियों के बैठने के लिए तैयार किए गए हैं व कुछ स्थानों में सुरक्षा दीवार के कार्य किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गुरूद्वारा ट्रस्ट द्वारा भी श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए गुरूद्वारा पड़ाव में कई कार्य किए गए हैं। इनमें गोविंद घाट में 71 कमरों के नवीनीकरण और ऋषिकेश में नए 40 एसी कमरों का निर्माण किया गया है। वहीं दोनों स्थानों में लंगर हॉल के नवीनी-करण का कार्य भी किया गया है।

जिलाधिकारियों को गौशाला के लिए भूमि चिन्हित करने के निर्देश : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 5 मई, मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने गुरुवार को सचिवालय में राज्य स्तर पर निराश्रित गौवंश के रहने के लिए गौशालाओं की उचित व्यवस्था के सम्बन्ध में बैठक ली। मुख्य सचिव ने शहरों में निराश्रित गौवंश के लिए गौशालाओं के निर्माण किए जाने हेतु जिलाधिकारियों को भूमि चिन्हित किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि योजना से पूरे प्रदेश को अच्छादित करना है। उन्होंने विशेषकर चारधाम यात्रा मार्ग में आने वाले शहरों में घूम रहे गौवंशों को गौशालाओं में रखे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी विकास विभाग, नगर निगम और पशुपालन विभाग इस सम्बन्ध में अपने अपने निर्धारित कार्य करें, ताकि किसी प्रकार का संशय न हो।मुख्य सचिव ने कहा कि गौशालाओं का संचालन एनजीओ के माध्यम से कराया जाए। उन्होंने सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं में जानवरों को उठाने के लिए हाइड्रोलिक वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कहा कि इससे जानवरों को लिफ्ट करने में घायल होने से बचाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारी, नगर निगम, नगर पालिकाएं और नगर पंचायतें इस कार्य के लिए एनजीओ सहित भूमि की तलाश शुरू करें। मुख्य सचिव ने कहा कि गौशालाओं के लिए भूमि लीज पर दिए जाने का अधिकार जिलाधिकारियों को दिया जाएगा। पुरानी गौशालाओं के विस्तारीकरण और नई गौशालाओं के निर्माण के लिए जिलाधिकारी निर्णय ले सकेंगे। जिलाधिकारी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि नगर निगम, नगर पालिकाएं एवं नगर पंचायतें पूरी तरह से आच्छादित हो गई हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थान जहां बायो गैस बनाई जा सकती है, उन स्थानों में बायो गैस योजनाएं शुरू की जाएं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, सचिव नितेश झा, डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम एवं अपर सचिव शहरी विकास नवनीत पाण्डेय सहित अन्य उच्चाधिकारी एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

क्या देहरादून घूमने के लिए गर्मी सबसे अच्छा मौसम है, जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 5 मई : गर्मियों में देहरादून में तापमान 17 डिग्री सेल्सियस से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। देहरादून में गर्मी का मौसम मार्च से शुरू होता है और जून तक रहता है। आप जिस अनुभव की तलाश कर रहे हैं उसके आधार पर पूरे वर्ष देहरादून का दौरा किया जा सकता है। यदि आपका कोई प्रश्न है 'क्या गर्मियों में देहरादून घूमने का सबसे अच्छा मौसम है'? उत्तर है, हाँ! देहरादून में गर्मी सुहानी है। गर्मियों के दौरान देहरादून के सभी दर्शनीय स्थलों की सैर आराम से की जा सकती है। यदि आप बाहरी गतिविधियों की तलाश कर रहे हैं, तो देहरादून घूमने का यह सबसे अच्छा समय है। यह उन लोगों के लिए एक आदर्श मौसम है जो ट्रेकिंग और लंबी पैदल यात्रा जैसी साहसिक गतिविधियों को पसंद करते हैं । देहरादून में साफ आसमान दर्शनीय स्थलों

की तारीफ करता है ।

जैसा कि यह पीक सीजन है और देहरादून घूमने का सबसे अच्छा समय है, आप बहुत भीड़ की उम्मीद कर सकते हैं। यदि आप भारत के दूसरे भाग में हैं और भीषण गर्मी का अनुभव कर रहे हैं, तो आप गर्मी को मात देने के लिए देहरादून जा सकते हैं। माहौल शांतिपूर्ण है और शांत मौसम गर्मियों के दौरान यात्रा करने के लिए एक रमणीय है। रात के समय तापमान नीचे चला जाता है और देहरादून में गर्मियों के दौरान भी ठंडक प्रभाव प्राप्त करना एक बड़ी राहत है। गर्मियों का समय देहरादून घूमने का सबसे अच्छा समय होता है, इसलिए बहुत से हनीमून मनाने वाले और रोमांच प्रेमी अपना बैग पैक करके देहरादून की ओर चल पड़ते हैं। किसी भी प्रकार की गतिविधियों में शामिल होने के लिए मध्यम जलवायु महत्वपूर्ण है और देहरादून इसका उत्तर है। अभी भी एक सवाल है 'क्या देहरादून घूमने के लिए गर्मी सबसे अच्छा मौसम है'? हाँ, यह देहरादून घूमने का सबसे अच्छा समय है और आप निश्चित रूप से इसका आनंद लेंगे। तो आप किस बात की प्रतीक्षा कर रहे हैं? अब आप जानते हैं कि आपकी अगली गर्मी की छुट्टी पर कहाँ जाना है! साथ ही जानिए देहरादून में मानसून के बारे में और आपको सर्दियों में देहरादून क्यों जाना चाहिए?

बुद्ध पूर्णिमा की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर जारी अपने शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध द्वारा विश्व को दिखाये गये प्रेम, अहिंसा एवं करुणा के मार्ग का अनुसरण करने पर ही मानवता का कल्याण संभव है। उनके संदेश सम्पूर्ण मानवता के लिए अमूल्य निधि भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में महात्मा बुद्ध के बताये मार्ग पर चलकर विश्व में शांति एवं सद्भाव का वातावरण सृजित किया जा सकता है। मानव मात्र के लिए उनके संदेश सदैव ही प्रासंगिक बने रहेंगे।

केदारनाथ में मौसम हुआ साफ, हेलीकॉप्टर सेवा भी शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 5 मई केदारनाथ धाम में मौसम साफ बना हुआ है। जिसके बाद धाम में यात्रा सुचारू हो गई है। सोनप्रयाग से केदारनाथ के लिए यात्री भेजे गए। वहीं, हेली सेवा भी शुरू हो गई है। वहीं, पुलिस ने यात्रियों से मौसम का पूर्वानुमान लेकर ही यात्रा पर आने की अपील की है। साथ ही किसी भी विषम स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर ठहरने की सलाह दी गई है। बारिश व बर्फबारी के कारण केदारनाथ यात्रा रोकी गई थी। प्रशासन और पुलिस ने सोनप्रयाग, गौरीकुंड से किसी यात्री को आगे नहीं जाने दिया। शाम पांच बजे के बाद मौसम में सुधार को देखते हुए प्रशासन व पुलिस ने सुबह 11 बजे से सोनप्रयाग से केदारनाथ के लिए पैदल यात्रा शुरू करने का निर्णय लिया है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही यात्रा का संचालन

किया जाएगा। सोनप्रयाग, गौरीकुंड से सीमित संख्या में यात्री भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि पैदल मार्ग पर तैनात पुलिस, एस-डीआरएफ, डीडीआरएफ के जवानों को भी पूरी तरह से सतर्क रहने को कहा गया है। पुलिस महानिदेशक व पुलिस अधीक्षक केदारनाथ में डेरा जमाए हुए है। बर्फबारी के बीच उन्होंने धाम में यात्रियों से संवाद कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। साथ ही व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। इस दौरान बाबा के दर्शन करने वाले यात्रियों को निचले इलाकों के लिए भेजा गया।

NEET UG का एडमिट कार्ड जारी, 7 मई को लाखों छात्र देंगे परीक्षा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रिपोर्ट 5 मई : नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट- अंडर ग्रेजुएट (NEET UG 2023) का एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। परीक्षा के लिए पंजीकृत उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट neet.nta.nic.in पर विजिट कर अपना हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं। नीट यूजी हॉल टिकट 2023 डाउनलोड करने के लिए उम्मीदवारों को नीट आवेदन फॉर्म 2023 संख्या और जन्म तिथि दर्ज करनी होगी।

20 लाख से अधिक छात्र देंगे परीक्षा

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2023 आगामी सात मई, रविवार को 497 शहरों के परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। जिसमें 20 लाख 59 हजार परीक्षार्थी पेन पेपर मोड में परीक्षा देंगे। इस वर्ष नीट परीक्षा में गत वर्ष की तुलना में 1,86,653 परीक्षार्थी अधिक पंजीकृत हुए हैं।

परीक्षार्थी इन बातों का रखें ध्यान

सभी सेंटर पर परीक्षार्थियों को सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक प्रवेश कार्ड पर दिए गए समय अनुसार प्रवेश दिया जाएगा। दोपहर 1:30 बजे सभी केंद्रों के मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर दिए जाएंगे। पेपर दोपहर 02 बजे से शाम 5:20 बजे तक

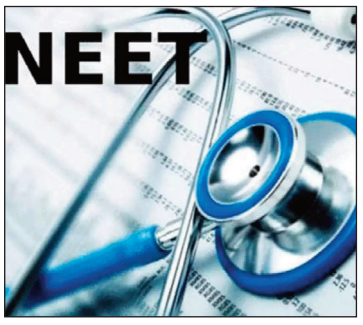

होगा। परीक्षार्थी को प्रवेश पत्र, पानी की पारदर्शी बोतल, सरकार द्वारा जारी आईडी दिखाकर प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षार्थी को पेन सेंटर पर ही दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को केवल टेक्स्ट बुकलेट लेकर ही बाहर जाएंगे।

NEET UG एडमिट कार्ड ऐसे करें डाउनलोडसबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट neet.nta.nic.in पर जाएं।होमपेज पर NEET UG एडमिट कार्ड 2023 के लिंक पर क्लिक करें।अब पंजीकरण संख्या और जन्म तिथि दर्ज करें।विवरण जमा करने के बाद, नीट यूजी प्रवेश पत्र स्क्रीन पर दिखाई देगा।अब इसे डाउनलोड करें।भविष्य के संदर्भ के लिए इसका प्रिंटआउट ले लें।

भारत है युवाओं का देश, जिनमें नेतृत्व किए जाने की है क्षमता : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेशः 5 मई , युवाओं का देश है, जिनमें नेतृत्व किए जाने की क्षमता है, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने युवाओं के दम पर भारत को विकसित देशों की श्रृंखला में खड़े किए जाने का संकल्प लिया है। उक्त बातें आज कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय एम्स, ऋषिकेश में "यूथ -20 कन्सल्टेशन इवेन्ट" जिसमें देश विदेश के लगभग ढाई सौ प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं का शुभारंभ करने के उपरांत कहीं। इस कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भारत आज विभिन्न चुनौतियों से जूझ रहा है, लेकिन उसके बावजूद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को जी-20, वाई 20 जैसे सम्मेलनों की अध्यक्षता किए जाने का मौका मिला है, यह भारत के लिए गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक चुनौतियों से जूझते भारत को इस प्रकार के सम्मेलनों से उनका समाधान किए जाने का रास्ता निकलेगा।उन्होंने कहा कि Y-20 युवाओं से जुड़े मामलों का समूह है, जिसमें दुनिया की 20 बड़ी एवं उन्नत अर्थव्यवस्था अर्थात G-20 का का प्रतिनिधित्व करती है।

उन्होंने कहा कि Y-20 निश्चित रूप से हमें ऐसा मंच उपलब्ध कराता है, जहां वैश्विक स्तर के युवा नेताओं द्वारा वैश्विक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ ही वैश्विक चुनौतियों एवं महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श कर स्वस्थ परिचर्चा के माध्यम से आम सहमति से अनुकूलतम निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा।भारत के लिए प्रथम बार G-20 की अध्यक्षता करना गौरव का विषय है। भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ से प्रारम्भ हुए आजादी के अमृत काल में इस अवसर से निश्चित रूप से भारतीय लोकतंत्र को मजबूती प्राप्त हुई है। कहा कि भारत सदैव से ही वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धान्त पर आगे बढ़ता रहा है ।वसुधैव कुटुम्बकम की इसी परम्परा ने भारत को विभिन्न चुनौतियों का व्यवहारिक समाधान खोजने तथा वैश्विक समग्र कल्याण को बढ़ाने हेतु महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। इसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए हम आज यहां Y-20 संवाद हेतु एकत्रित हुए हैं, यह संवाद निश्चित रूप से वैश्विक युवा नेतृत्व को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करेगा। भारत का यह प्रयास है कि वैश्विक युवा नेतृत्व एवं साझेदारी को और अधिक प्रगाढ़ किया जाए, जिससे युवा साथ आकर प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से आ रही चुनौतियों का समग्र प्रयासों से सामना कर स्वस्थ एवं शान्त वैश्विक पटल भावी पीढ़ियों हेतु रख सकें।उन्होंने कहा कि Y-20 इण्डिया के साझेदार के रूप में एम्स ऋषिकेश में सम्मेलन की थीम हेल्थ वैलनेस एंड स्पोर्ट्स है, जिसमें निश्चित रूप से ही इन क्षेत्रों में विशेषज्ञ पैनेलिस्टों द्वारा विगत 08 सप्ताह से राज्य में विभिन्न रनअप इवेन्ट के माध्यम से स्थानीय संस्थाओं में की जा रही परिचर्चाओं के परिणामों पर मन्थन किया जायेगा एवं एक सार्वभौमिक तथा सार्वगर्भित हल प्राप्त करने में सफलता प्राप्त होगी।कै-बिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि सरकार खेलो को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। बीते 01 वर्ष में राज्य सरकार द्वारा युवाओं के स्वास्थ, संवर्द्धन हेतु खेलों को विशेष आयाम देने हेतु प्रयास किये गये हैं, जिसके अन्तर्गत खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय खेल अवस्थापना सुविधाएं प्रदान किये जाने एवं खेल संस्कृति को बढावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जनपदीय स्टेडियमों में 37 खेल अवस्थापना सुविधाएं सृजित की जा रही है, जिस हेतु रू0 209.91 करोड़ की धनराशि व्यय की गयी। साथ ही खिलाड़ियों द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खेलों में पदक अर्जित करने के फलस्वरूप 13 अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों, 183 राष्ट्रीय खिलाड़ियों एंव उनके 51 प्रशिक्षकों को नगद पुरस्कार के रूप में रू0 5.50 करोड़ धनराशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद मुनि ,रामकृष्ण मिशन के डॉ दयानंद पंदा, जया चतुर्वेदी, केके तलवार, निदेशक खेल जितेंद्र कुमार सोनकर सहित कई अन्य गडमान्य लोग उपस्थित रहे।

पीआरडी में तैनात गर्भवती महिलाओं को दिया जाएगा मातृत्व अवकाश

खेल मंत्री रेखा आर्या ने जताया सीएम का आभार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 मई , सचिवालय स्थित विश्वकर्मा भवन में धामी कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक हुई ।बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी जिसमे पीआरडी जवानों से संबंधित एक अहम निर्णय पर भी सहमती बनी । प्रदेश की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तराखंड में अभी तब तक पीआरडी एक्ट 1948 लागू था और तब से यही एक्ट उत्तराखंड में चलता हुआ आ रहा था क्योंकि हमारा अपना कोई पीआरडी एक्ट नही था जो आज कैबिनेट के माध्यम से लाया गया है, जिसके तहत अब उत्तराखंड का अपना पीआरडी एक्ट बनने जा रहा है।उन्होंने कहा कि इस एक्ट में हमारे पीआरडी जवानों के लिए ऐसी व्यवस्थाए की गई हैं जिसमे जहां पूर्व में उनका सुरक्षा के दृष्टि से रजिस्ट्रेशन या भर्ती की जाती थी लेकिन अब इसे संसोधित करते हुए उनके विभिन्न प्रकार के कार्य जिसमे टेक्निकल ,चतुर्थ श्रेणी या अन्य विभागों में जहाँ उनकी आवश्यकता हो उन्हें वहां समायोजित किया जाएगा।

पीआरडी जवानों व गर्भवती महिलाओं को भी दिया जाएगा मातृत्व अवकाश - रेखा आर्या

खेल मंत्री रेखा आर्या ने साथ ही कहा कि पूर्व में पीआरडी जवानों व पीआरडी की गर्भवती महिला जवानों को किसी भी प्रकार का अवकाश देने की व्यवस्था एक्ट में नही थी लेकिन एक्ट लागू हो जाने के पश्चयात अब पीआरडी जवानों को अवकाश दिया जाएगा साथ ही ऐसी महिलाएं जो गर्भवती है उन्हें मातृत्व अवकाश इस एक्ट के लागू होने के पश्चयात प्रदान किया जाएगा जो कि एक मानवीय पहलू है और हमने मानवीय पहलू को ध्यान में रखते हुए अपने जवानों के लिए इस व्यवस्था को लागू किया है।

पीआरडी जवानों को 60 वर्ष तक नौकरी करने का मिलेगा अवसर,पंजी-करण में भी हुआ बदलाव - रेखा आर्या

खेल मंत्री रेखा आर्या ने पीआरडी जवानों की आयु सीमा पर जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में प्रान्तीय रक्षक दल में पंजीकरण हेतु आयु 18 से 45 वर्ष निर्धारित थी तथा स्वयंसेवक 50 वर्ष की आयु तक कार्य कर सकता था, जिसे वर्तमान में 18 से 42 वर्ष किया जा रहा है तथा हमारे जवानों को 60 वर्ष की आयु तक कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे।

वही अब उत्तराखंड पीआरडी एक्ट लागू हो जाने के पश्चयात शान्ति सुरक्षा कार्यो में पुलिस सहयोग हेतु तैनात किये जाने वाले स्वयंसेवकों को वही सुरक्षा प्राप्त होगी, जो पुलिस को प्राप्त होती है। खेल मंत्री ने कहा कि पीआरडी जवान कई बार शांति व्यवस्था,सुरक्षा,चारधाम यात्रा,कावंड़ यात्रा ,यातायात व्यवस्था सहित कई ऐसे कार्यो को संपादित करते है जो पुलिस के जवान भी करते है किंतु पूर्व में पीआरडी स्वयंसेवकों को वह सुविधाएं उपलब्ध नही हो पाती थी जो पुलिसकर्मियों को मिलती है,ऐसे में अब इस एक्ट के बन जाने के बाद उन्हें भी वही सब सुविधाएं मिलेंगी जो पुलिस जवानों को मिलती है। खेल एवम युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने पीआरडी एक्ट में संसोधन पारित होने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का धन्यवाद व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि निश्चित ही एक्ट के बन जाने से हमारे पीआरडी जवानों को काफी सहूलियत मिलेगी।

गुड न्यूज़ : महिलाएं ट्रेन में बिना टिकट करेंगी सफर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 मई , भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसमें सीनियर सिटीजन्स से लेकर देश भर की महिलाओं तक को रेलवे द्वारा कई खास सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। ट्रेन में हर दिन करोड़ों लोग सफर करते हैं, लेकिन अब महिलाओं के लिए एक खास सुविधा शुरू की गई हैं। इस सुविधा के अनुसार, महिलाएं ट्रेन में बिना टिकट सफर कर सकती हैं। यह एक अच्छी खबर है।

रेलवे ने इस तरह की स्थितियों के लिए कई मित्रवत नियम बनाए हैं। भारतीय रेलवे के नियमों के अनुसार, यदि कोई एकल महिला या एकल बच्चा रात के समय ट्रेन में टिकट के बिना यात्रा कर रहा है तो टीटीई उसे ट्रेन से नहीं उतार सकता। ऐसा करने पर संबंधित महिला रेलवे अथॉरिटी से संपर्क करके टीटीई के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा सकती है।

महिला यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे में कई अधिकार हैं, जिनसे आप यात्रा के दौरान होने वाली समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। रेलवे का एक और यात्री-फ्रेंडली नियम है कि रात्रि में सफर के दौरान टिकट जाँच करने के लिए टीटीई यात्री से टिकट दिखाने की मांग नहीं कर सकते हैं। रेलवे के नियमों के अनुसार रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक यात्री आराम की नींद ले सकते हैं, लेकिन यह नियम उन यात्रियों के लिए नहीं लागू होता है जो रात्रि में ट्रेन में सवार हुए हों।वैसे तो अब ऐसी समस्याएं बहुत कम होती हैं क्योंकि लंबी दूरी की सभी ट्रेनें इंटर-कनेक्टेड होती हैं। लेकिन यदि आपकी ट्रेन छूट जाती है और आप कार या बाइक से अगले स्टॉप तक पहुंचते हैं तो भी TT आपकी खाली सीट किसी को नहीं दे सकता है। ऐसा दो स्टेशनों के लिए होता है।

मित्र पुलिस : नोट की गड्डियां देखकर भी नहीं डोला सिपाहियों का ईमान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 5 मई , क्या आप यकीन करेंगे कि करारे नोट को देखकर किसी का मन न डोले , वो भी तब जब वो गड्डियां लावारिस हों और उसका कोई मालिक नज़र न आ रहा हो। लेकिन जनाब यही तो उत्तराखंड मित्र पुलिस की खूबी है जो देवभूमि में अक्सर लोगों का दिल जीत लेते हैं। इन दिनों चार धाम यात्रा चल रही है और लाखों श्रद्धालु धामों में पहुँच रहे हैं चमोली पुलिस की ये दिल खुश कर देने वाली खबर बद्रीनाथ से आयी है।

सीनियर पुलिस अफसर प्रमेन्द्र डोबाल एसपी चमोली की ज़िम्मेदारी निभाते हुए चार धाम यात्रा के लिए मुस्तैद हैं और अपनी टीम के साथ ग्राउंड पर उत्तर क्र श्रद्धालुओं की सुरक्षा कर सहयोग के लिए सक्रिय हैं। उन्होंने चमोली पुलिस की टीम को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के साथ-साथ मानवीय कार्यों में भी बढ़-चढ़कर निस्वार्थ भाव से कार्य करने का निर्देश दिया है। इसी कड़ी में चौकी हनुमानचट्टी में ड्यूटी पर नियुक्त आरक्षी धर्मेन्द्र, आरक्षी कुंवर व हो0गा0 सत्येन्द्र को हनुमानचट्टी मन्दिर के

बाहर एक लेडिज पर्स मिला।

पुलिस कर्मियो द्वारा पर्स के सम्बन्ध में आसपास पूछताछ की गयी तो काफी ढूँढखोज करने पर भी पर्स स्वामी का कोई पता नहीं चल पाया।

पुलिस कर्मियों के द्वारा पर्स की तलाशी ली गयी तो उसमें ₹ 1,21000/-(एक लाख इक्कीस हजार रुपये) की नगदी व होटल की एक चाबी मिली, अन्य कोई कागजात न मिलने के कारण पर्स स्वामी की पहचान नहीं की जा सकी, इसके बाद पुलिस कर्मियों द्वारा होटल की चाबी के सम्बन्ध में स्थानीय लोगों व वाहन चालकों से पूछताछ की गयी तो ज्ञात हुआ की उक्त चाबी गोविन्दघाट के एक होटल की है। पुलिस कर्मियों के द्वारा होटल स्वामी से पूछताछ कर यात्रियों के मोबाइल नम्बर लेकर जब उनसे बात की गयी तो उक्त पर्स बीना बहन अर-विन्दभाई साधु पत्नी श्री साधु भरत कुमार रामदास निवासी गुजरात का होना पाया गया।

जिन्हें चौकी हनुमामचट्टी बुलाकर पर्स सकुशल उनके सुपुर्द किया गया। बीना बहन अरविन्दभाई साधु द्वारा बताया गया की वे सुबह गोविन्दघाट से श्री बद्रीनाथ जी के दर्शन हेतु जा रहे थे तो हनुमानचट्टी में हनुमान मन्दिर के दर्शन के दौरान भूलवश उनका पर्स मन्दिर के बाहर ही छूट गया था। अपने पर्स को सकुशल पाकर बीना बहन व उनके साथियो के द्वारा चमोली पुलिस की ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठता को सलाम करते हुए पुलिस कर्मियों का धन्यवाद दिया गया। अगर आप भी आम ज़िंदगी में ऐसी किसी परिस्थिति से दो चार होते हैं तो मित्र पुलिस की तरह मानवता और ईमानदारी का उदाहरण ज़रूर बनिये ।

अब हफ्ते में दो दिन बंद रहेंगे बैंक, सरकार की तैयारी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 मई , इंडियन बैंक्स एसो-सिएशन ने बैंकों की इस डिमांड पर सरकार को एक प्रपोजल भेजा था. अब जल्द ही वेज बोर्ड रिविजन के साथ नोटिफिकेशन जारी किया जा सकता है. मौजूदा समय में सरकारी बैंकों में दूसरे और चौथे सप्ताह दो दिनों का यानी शनिवार और रविवार अवकाश होता है.

जल्द ही सरकारी बैंकों में सप्ताह में सिर्फ 5 दिन काम होगा. इसका मतलब है कि सरकारी बैंकों के कर्मचारियों को हफ्ते में दो दिन छुट्टी मिलेगी. फाइनेंस मिनिस्ट्री जल्द ही इस अपना अप्रूवल देकर नोटिकफिकेशन जारी कर सकती है. सरकारी बैंक के कर्मचारी काफी दिनों से इसकी डिमांड कर रहे थे. सीएनबीसी आवाज की रिपोर्ट के अनुसार इंडियन बैंक्स एसोसिएशन ने बैंकों की इस डिमांड पर सरकार को एक प्रपोजल भेजा था. अब जल्द ही वेज बोर्ड रिविजन के साथ नोटिफिकेशन जारी किया जा सकता है. मौजूदा समय में सरकारी बैंकों में दूसरे और चौथे सप्ताह दो दिनों का यानी शनिवार और रविवार अवकाश होता है.

40 मिनट तक बढ़ाए जा सकते हैं काम के घंटे

कोविड महामारी की शुरुआत में सरकारी बैंकों की ओर से 5-डे वीक डिमांड की गई थी. आईबीए ने बैंक यूनियनों इस प्रपोजल को कैंसल कर दिया था. आईबीए ने इसके बदले में 19 फीसदी सैलरी हाइक का प्रपोजल सामने रखा. जनवरी 2023 में, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने भी 5 डे बैंकिंग, अपडेट पेंशन और सभी डिपार्टमेंट में रिक्रूटमेंट जैसी मांगों को लेकर दो दिन की हड़ताल का ऐलान किया था.

बाद में फरवरी 2023 में, आईबीए ने कहा था कि वह बैंक यूनियनों की 5 डे वर्किंग मांग पर विचार करेगा, हालांकि, काम के घंटों को प्रत्येक दिन 40 मिनट तक बढ़ाया जा सकता है. एक रिपोर्ट के अनुसार कर्मचारियों को रोजाना सुबह 9.45 बजे से शाम 5.30 बजे तक काम करना पड़ सकता है.

मई में 11 दिन बंद रहेंगे बैंक

वहीं दूसरी ओर मई के महीने में, बैंक 11 दिनों तक बंद रहेंगे. मई के महीने में बुद्ध पूर्णिमा, महाराणा प्रताप जयंती और रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती जैसे कई त्योहारों के मौकों पर बैंक हॉलिडे रहेगा. इससे पहले

अप्रैल में कुल 15 दिन बैंक बंद रहे थे. वैसे बैंकों में अवकाश प्रत्येक स्टेट में अलग-अलग हैं. अगर किसी राज्य में बैंकों की छुट्टियां होती हैं तो मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से अपने फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन किए जा सकते हैं.

स्वस्थ समाज की कल्पना स्वच्छता से ही साकार : युगल किशोर पन्त , डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर , 5 मई, जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने जिला कार्यालय परिसर से 2 टिपर, 2 ई-रिक्शा तथा 1 ट्रैक्टर बैक लोडर को हरी झण्डी दिखाकर नगर पंचायत लालपुर के लिए रवाना किया। जिनका उपयोग नगर पंचायत लालपुर में डोर टू डोर कूड़ा कलैक्शन में किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर पंचायत के परिवहन बेड़े में कूड़ा उठाने वाले 02 टिपर, 02 ई-रिक्शा तथा 1 ट्रैक्टर बैक लोडर वाहन जुड़ गए हैं, जिससे घर-घर जाकर कूड़ा उठान कार्य मे और अधिक आसानी होगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वस्थ समाज की कल्पना स्वच्छता से ही साकार हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि स्वस्थ समाज एवं देश के निर्माण में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने जनता से अपील की कि गीले तथा सूखे कूड़े को अलग-अलग रखा जाये

ताकि कूड़ा निस्तारण में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। इस दौरान अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, उप जिलाधिकारी प्रत्यूष सिंह, ओसी कलेक्ट्रेट मनीष बिष्ट, अधिशासी अधिकारी आरपी बेजवाल आदि उपस्थित थे।

सावधान ! केदारनाथ ग्लेशियर टूटने से पैदल यात्रा बंद हुई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केदारनाथ , 5 मई , चार धाम यात्रा के दौरान शुरुआत में ही बड़ी आफत ने चिंता बढ़ा दी है। पहले मौसम की मार और अब ग्लेशर का टूटना सरकार और यात्रा प्रबंधन के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। आज जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि श्री केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग विगत सायं को भैरों गदेरे एवं कुबेर ग्लेशियर पर ग्लेशियर टूटने के कारण केदारनाथ यात्रा मार्ग आवागमन हेतु बंद हो गया था। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में यात्रा मार्ग को सुचारू करने के लिए डीडीएमए, एसडीआरएफ, डीडीआ-रएफ, एनडीआरएफ, वाईएमएफ व पुलिस के जवानों ने दोनों ग्लेशियरों से बर्फ हटाने का कार्य किया जा रहा है।

वहीँ राहत की खबर आयी जब भैरों ग्लेशियर से बर्फ हटाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है जबकि कुबेर ग्लेशियर पर बर्फ हटाने का कार्य किया जा रहा है जो कि पैदल यात्रा कर रहे तीर्थ यात्रियों के लिए ही यात्रा मार्ग खोल दिया गया था किन्तु 2 बजकर 25 मिनट पर भैरों ग्लेशियर पर दुबारा ग्लेशियर टूटने के कारण यात्रा मार्ग आवाजाही हेतु पूर्णतः बंद हो गया है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने केदारनाथ धाम पैदल यात्रा कर रहे तीर्थ यात्रियों से अपील की है कि यात्रा मार्ग पूरी तरह से सुचारू न होने तक केदारनाथ की यात्रा पर न जाएं जिस स्थान पर हैं उसी स्थान पर सुरक्षित रहें।

उन्होंने यह भी कहा कि जो यात्री हैली सेवा से दर्शन करना चाहते हैं वो हैली सेवा के माध्यम से केदारनाथ धाम के दर्शन कर सकते हैं। उन्होंने यात्रा मार्ग में दोनों ग्लेशियर पर तैनात डीडीआरएफ, एसडी-आरएफ, एन डी आर एफ, वाईएमएफ व पुलिस के जवानों को निर्देश दिए कि अपनी सुरक्षा के साथ ही तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखें।

संपादकीय

‘बजरंग बली’ बोले, तो जेल

प्रधानमंत्री मोदी कर्नाटक की चुनावी सभाओं में ‘बजरंग बली की जय’ का उद्घोष कर रहे हैं और जनता की प्रतिक्रिया भी पुरजोर से सामने आ रही है। यह नए किस्म की, नए मुद्दे पर हिंदूवादी चुनावी राजनीति है। प्रधानमंत्री जनता से साझा कर रहे हैं कि कांग्रेस ने पहले प्रभु श्रीराम को ताले में बंद किया और अब जो भी ‘बजरंग बली की जय’ बोलेगा, उसे जेल में डाल दिया जाएगा। हालांकि हकीकत यह नहीं है। प्रधानमंत्री उसकी व्याख्या कर रहे हैं, जो कांग्रेस ने घोषित किया है। कांग्रेस ने यह मुद्दा पैदा कर अपने ही पांव पर कुल्हाड़ी मारी है। चुनाव घोषणा-पत्र में बजरंग दल पर पाबंदी लगाने की बात कहने की जरूरत ही क्या थी? उसकी आतंकवादी, प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से तुलना कैसे की जा सकती है? गौरतलब सवाल यह भी है कि भगवान बजरंग बली और बजरंग दल क्या समानार्थी, पूरक, पर्यायवाची हैं? ऐसा बिल्कुल भी नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री समेत भाजपा और उसके काडर ने दोनों की साम्यता की व्याख्या की है। प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि बजरंग बली का नाम लोगे, तो जेल के ताले में बंद कर दिए जाओगे। अपने मुद्दे को ठोस जमीन देने के लिए भाजपा वाले और हिंदूवादी देश भर के गांवों और मंदिरों में ‘हनुमान चालीसा’ का पाठ करेंगे। चुनाव है या कोई धार्मिक आंदोलन है! आस्थामय भावनाओं का मुद्दा बना दिया गया है, लिहाजा कर्नाटक के करीब 84 फीसदी हिंदुओं के भीतर पलट-प्रतिक्रिया हो सकती है। एक अनुमान है कि कर्नाटक में 35-40 फीसदी हिंदू बजरंग बली के कट्टर भक्त हैं। चुनावी ध्रुवीकरण ऐसी ही परिस्थितियों में कराए जा सकते हैं। ऐसे हालात में शेष संवेदनशील और बुनियादी समस्याओं पर धुंध छा जाती है। कांग्रेसी घोषणा-पत्र में बजरंग दल पर पाबंदी का ऐलान भी कांग्रेस की अनधिकार चेष्टा है, क्योंकि ऐसे प्रतिबंध भारत सरकार का ही विशेषाधिकार है। राज्य सरकार सिर्फ परामर्श दे सकती है। यदि विधानसभा में प्रस्ताव पारित हो भी जाए, तो अंतिम और निर्णायक प्रतिबंध के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को ही भेजना अनिवार्य है। दरअसल बजरंग दल के खिलाफ विदेशी आतंकी फंडिंग, हथियारों को जमा करने, उनके प्रशिक्षण, बम बनाने और विस्फोट करने, अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों से रिश्ते और साजिशाना सांठगांठ और आतंकी हमले कराने सरीखे देश-विरोधी, घोर आपराधिक मामले दर्ज नहीं हैं। बजरंग दल उत्साही, उन्मादी, उत्पाती, हिंदूवादी संगठन हो सकता है, लेकिन 25 लाख से ज्यादा सदस्यों वाला संगठन ‘आतंकवादी’ करार नहीं दिया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र ने उस पर पाबंदी चस्पा करने की कभी कोशिश नहीं की है और न ही ऐसा कोई विमर्श किया गया है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

कांग्रेसियों की मजबूत दीवार से पस्त हुए बजरंगी कार्यकर्त्ता : सूर्यकांत धस्माना

कांग्रेस मुख्यालय घेरने के प्रयास के पीछे भाजपा की सह : कांग्रेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 मई , उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन को घेरने के प्रयास कर बजरंग दल कार्यकर्ताओं को भाजपा सरकार व संघठन की पूरी सह मिली हुई थी तभी प्रदर्शनकारी कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन के एकदम नज़दीक पहुंच गए और वो तो गनीमत थी कि पार्टी मुख्यालय में महानगर कांग्रेस की बैठक चल रही थी और शोर और नारे बाजी सुन कर कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यालय की सुरक्षा के लिए पीसीसी मुख्यालय के बाहर सुरक्षा दीवार की तरह खड़े हो गए वरना जबलपुर की तरह देहरादून में भी ये लोग कांग्रेस मुख्यालय में अराजकता फैला सकते थे। सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि प्रदर्शन के वक्त कांग्रेस मुख्यालय में मात्र दो तीन सिपाही व एक दरोगा खड़े थे जो केवल तमाशबीन बने हुए थे । सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि चुनावों में हार जीत लोकतंत्र की खूबसूरती है किंतु भाजपाइयों को हार बर्दाश्त नहीं है और इसीलिए कर्नाटका में 40 प्रतिशत कमीशन वाली भाजपा सरकार की संभावित हार को देखते हुए अब भाजपा देश भर में साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने का प्रयास कर रही है।

अनूप मलिक सर्वोच्च वेतनमान के साथ उत्तराखंड वन विभाग के नियमित हॉफ नियुक्त, चार्ज संभाला

1 मई को मुख्यसचिव की अध्यक्षता में हुई शासन की डीपीसी के उपरांत 4 मई को जारी हुआ नियमित नियुक्ति का आदेश

मो सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,4 मई। शासन की डीपीसी के उपरांत अनूप मलिक उत्तराखंड वन विभाग के सर्वोच्च वेतनमान के साथ नियमित तौर पर राज्य के वरिष्ठम प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) चुने गए है जो फिलहाल कार्यवाहक हॉफ की जिम्मेदारी निभा रहे थे हालाकि अनूप मलिक वरिष्ठता क्रम में सबसे सीनियर आईएफएस है।शासन के पत्रांक संख्या 494/GEN/X-1-2023-04(07)/2022/ दिनांक 04 मई 2023 के अनुसार नियमित चयन उपरांत सर्वोच्च वेतनमान के साथ वेतन मैट्रिक्स स्तर में श्री राज्यपाल ने अनुमति प्रदान की है।

1 मई को शासन में मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधू की अध्यक्षता में डीपीसी की बैठक हुई थी जिसमे प्रमुख सचिव वन आरके सुधांशु और उत्तर प्रदेश की हॉफ ममता संजीव दुबे ने उत्तराखंड के हॉफ पद

के लिए गहन मंत्रणा की जिसमें सबसे वरिष्ठ आईएफएस होने के साथ साथ 1987 बैच के अनूप मलिक अनुभव और कार्यदक्षता के आधार पर सर्वश्रेष्ठ साबित हुए,हालाकि चयन समिति ने 1988 बैच के धन्जय मोहन और विजय कुमार के अलावा 1990 बैच के डॉ समीर सिन्हा और के मुरलीधर के नामों पर भी गहन मंथन किया मगर अंत में प्रदेश के सबसे वरिष्ठ आईएफएस अनूप मलिक को सर्वोच्च वेतनमान के साथ हॉफ के रूप में चुना गया,मुख्यमंत्री धामी की स्वीकृति के साथ ही वन सचिव विजय यादव ने प्रोन्नति के साथ नियमित नियुक्ति आदेश जारी किया है ,आदेश प्राप्ति के तत्काल बाद 4 मई शाम को अनूप मलिक ने नियमित हॉफ के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

हरियाणा के रोहतक जिले के मूल निवासी अनूप मलिक 1987 बैच के उत्तराखंड कैडर के आईएफएस अधिकारी है और वर्तमान में कार्यवाहक हॉफ के साथ साथ उत्तराखंड वन संसाधन प्रबंधन परियोजना (जायका) के मुख्य परियोजना निदेशक के रूप में अपनी जिम्मेदारी को निभा रहे थे ।दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से भौतिकी से एमएससी करने वाले अनूप मलिक के पिता दिल्ली पुलिस में ऑफिसर थे हालाकि

- टेक्नोलॉजी ड्रिवन के तहत एमआईएस और जीआईएस पद्धति पर आधारित फॉरेस्ट बाउंड्रीज का डिजिटलाइजेशन और जनसहभागिता अनूप मलिक की सर्वोच्च प्राथमिकता
- हरियाणा के रोहतक ज़िले के रहने वाले है अनूप मलिक और दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से उच्च शिक्षा ली
- दिल्ली पुलिस के रिटायर ऑफिसर के बेटे है अनूप मलिक और हरियाणा क्रिकेट की युवा टीम में ऑल राउंडर भी रहे

उनकी स्कूलिंग सोनीपत जिले के राई के मोतीलाल नेहरू स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स से हुई है,अनूप मलिक क्रिकेट के शानदार खिलाड़ी रहे है और उन्होंने क्रिकेट के महागुरु लाला अमरनाथ और मुश्ताक अली से न केवल क्रिकेट के गुर सीखे बल्कि कूच विहार ट्राफी में अंडर 17 ऑल राउंडर के रूप में हरियाणा का प्रतिनिधित्व भी किया,पिता पुलिस में थे तो उनके अनुशासन के चलते क्रिकेट को बाय बाय कहना पड़ा और मात्र 23 साल की उम्र में आईएफएस बन गए,इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन ये आईएफएस बने वो दिन 15 अप्रैल 1987 का दिन था यानी कि मलिक का 23वा जन्मदिन।

अनूप मलिक देश में सबसे लंबे समय तक किसी भी जायका परियोजना के सीपीडी रहने व ाल

एकमात्र आईएफएस अधिकारी है जो वर्ष 2014 से लगातार इस पद पर है,इस दौरान अनूप मलिक ने वन पंचायतों में आजीविका संबंधित अनेकों योजनाओं को अंजाम तक पहुंचाया।

अखरोट की खेती में अभूतपूर्व काम करने वाले अनूप मलिक ने CITH कश्मीर की मदद से उत्तराखंड में उम्दा किस्म के अखरोट की बुनियाद रखी और वन क्षेत्रों में जल संचय का विस्तृत जाल बिछा कर जल स्रोतों को मजबूत आयाम दिया,प्राकृतिक खतरों और आपदा जोख़िम में कमी लाने वाले उपायों को वन क्षेत्रों में मज़बूत किया,खेती और वृक्षारोपण के बड़े बड़े प्रोग्राम चलाए।

अनूप मलिक भारत सरकार के कृषि मंत्रालय में प्लांट प्रोटेक्शन के डायरेक्टर के पद पर 5 साल से ज्यादा तैनात रहे, वर्ष 2006 से 2012 तक केंद्र में सेवा देने के उपरांत अनूप मलिक उत्तराखंड वन विभाग में सीसीएफ एचआरडी और मोनेट्रिंग रेवलुएशन रहे ,2014 से लगातार CPD जायका के पद पर है,हमेशा फील्ड पोस्टिंग में रहने वाले अनूप मलिक ने एसीएफ गोरखपुर से अपने कैरियर का सफ़र शुरू किया और 1990 में बतौर डीएफओ पहली पोस्टिंग पिथौरागढ़ में मिली इसके बाद तराई ईस्ट,हल्द्वानी,गोंडा,रायबरेली, सुल्तानपुर,लखनऊ और आगरा में भी डीएफओ रहे।

अनूप मलिक बतौर HOFF मुख्यमंत्री धामी के विज़न को धरातल पर उतरना चाहते है, जिसमें वन विभाग में टेक्नोलॉजी ड्रिवन के तहत एमआईएस और जीआईएस पद्धति पर आधारित फॉरेस्ट बाउंड्रीज का डिजिटलाइ-जेशन शामिल है और वन मंत्री सुबोध उनियाल के विज़न वनों में जनसहभागिता को भी मजबूत करना है,इसके अलावा मलिक की प्राथमिकताओं में वनाग्नि की रोकथाम, वन पंचायतों को आजीविका से जोड़ना,वन्यजीवों की सुरक्षा,वन्य तस्करों पर शिकंजा कसना,ईको टूरिज्म को मज़बूत करना और आय के विकल्पों से राजस्व बड़ोत्तरी का प्रयास करना महत्वपूर्ण है।